89वीं शिव जयंती: मनाने पहुंचे 95 देश सहित 15 हज़ार लोग शान्तिवन

सर्व प्रति कल्याण की भावना रखने का लिया संकल्प

शान्तिवन-आबू रोड(राज.)। 95 देशों के भाई-बहनों की उपस्थिति में ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय में 89वीं शिवजयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। शान्तिवन परिसर को विशेष रूप से शिवध्वज से सजाया गया था। 101 वर्षीय संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी व राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने सौ फीट ऊंचे शिवध्वज को फहराकर शिवजयंती की बधाई दी। इस मौके पर राजस्थान सहित कर्नाटक से आए 15 हज़ार से अधिक लोग मौजूद रहे। शिव ध्वज के नीचे सभी को अपना जीवन नकारात्मक विचारों, दुर्गुणों, बुराइयों से दूर रहने और सभी के प्रति शुभभावना-शुभकामना रखने का संकल्प कराया गया। इस मौके पर दादी रतन मोहिनी ने शिव स्मृति में हर कार्य दृढ़ता के साथ करेंगे तो सफलता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, यह संदेश दिया। राजयोगिनी मोहिनी दीदी ने कहा कि आज विश्व भर के 140 देशों के सेवाकेंद्रों पर शिवध्वज लहराया जा रहा है। परमात्मा की हम बच्चों से यही आश है कि सदा दृढ़ता की चाबी से आगे बढ़ते रहें। हमने जो बाबा से वायदा किया है तो आज उस प्रतिज्ञा को दृढ़ करते हैं कि सदा समर्थ सोचेंगे, सदा समर्थ कर्म करेंगे। संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. जयंती दीदी ने शिवजयंती की बधाई देते हुए कहा कि दुनिया में सत्यम्-शिवम्-सुन्दरम् का गायन है। शिव बाबा हम सबको साथ लेकर दुनिया परिवर्तन का कितना बड़ा कार्य कर रहे हैं। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मुन्नी दीदी ने कहा कि हम बच्चों का फर्ज़ है कि परमात्मा का संदेश दुनिया भर में देना, लोगों को दुःख-दर्द से बाहर निकलने का रास्ता बताना। संस्था के

अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि शिवजयंती की यहां जो विशेषता है वह और कहां भी नहीं है। भगवान के महावाक्य सुनने का सौभाग्य हमको मिला है। शिव बाबा की जयंती के साथ-साथ हम बच्चों का जन्मदिन भी सिर्फ यहां ही मनाया जाता है। अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि हम सब त्रिमूर्ति शिव जयंती मना रहे हैं। हम आत्माओं को शिव बाबा पावन बनाकर परमधाम ले जा रहे हैं। जो कोई सामने आये उसे शुभभावना और रहम की भावना देते जायें। कार्यक्रम में जयपुर सबज़ोन निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु रुक्मणी दीदी, राजापार्क,जयपुर ब्र.कु. पूनम दीदी भी मौजूद रहे। ब्र.कु. हरीश मोयल ने 'दुआ तुमको देता जहां आज सारा, मुबारक हो सबको जन्मदिन तुम्हारा' गीत पेश किया। मधुरवाणी ग्रुप ने 'लहराया, लहराया शिव का झंडा' गीत पेश किया।

माउंट आबू मुख्यालय पांडव भवन, ज्ञान सरोवर व म्यूज़ियम सहित सभी कैम्पस में धूमधाम से मनाया शिवजयंती का त्योहार

ब्रह्माकुमारीज़ के पाण्डव भवन और ज्ञान सरोवर में भी इसी तरह से शिवजयंती कार्यक्रम मनाया गया। पाण्डव भवन में ओम शान्ति भवन और एरोप्लेन भवन दोनों जगहों पर शिवध्वज फहराया गया। इस मौके पर संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने रुहानियत में दिव्यता लाने की, आपसी संबंधों में मिठास लाने की, चलन व चेहरा श्रेष्ठ बनाने की बात कही। ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. प्रताप मिड्ढा ने आध्यात्मिक जन्म और प्राप्तियों की बधाई देते हुए कहा कि ब्राह्मण जन्म दिव्य जन्म है। अभी शिवबाबा की आशाएं पूर्ण करने का, संपूर्ण बनने का हमारा लक्ष्य होना चाहिए। इसके साथ ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. मोहन सिंघल, ज्ञानसरोवर की निदेशिका ब्र.कु. सुदेश दीदी, जापान की ब्र.कु. रजनी दीदी, मलेशिया की ब्र.कु. मीरा दीदी आदि ने भी अपने विचार रखे। मधुरवाणी ग्रुप ने 'शिव का झंडा हर मन में लहराया' गीत पेश किया।

शहर में ब्र.कु. शिवानी ने किया आध्यात्मिकता का बीजारोपण

पानी बीज को चाहिए वृक्ष को नहीं

छिंदवाड़ा-म.प्र.। जिले के इतिहास में पहली बार विश्व प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक प्रवक्ता ब्र.कु. शिवानी ने छिंदवाड़ा के दशहरा मैदान पोलो ग्राउंड में छिंदवाड़ा क्षेत्र के हज़ारों की संख्या में उपस्थित गणमान्य नागरिकों के बीच धर्म से बढ़कर आध्यात्मिकता के बीजारोपण का सूत्रपात किया। ब्र.कु. शिवानी ने मेडिटेशन को जीवन में अग्रस्थान देने की बात बताते हुए कहा कि मेडिटेशन से जुड़ना कोई कठिन प्रक्रिया नहीं है, बल्कि बेहद आसान है। उससे मन को शान्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि आज का इन्सान खुद को बदलना नहीं चाहता लेकिन संसार को बदलना चाहता है, घर को बदलना चाहता है, पड़ोसी को बदलना चाहता है। हमें बीज को पानी देना है, वृक्ष को नहीं। बीज हमारा मन है और वृक्ष हमारा शरीर। शरीर के रिश्ते संसार है। हमें खुद अर्थात् बीज को मेडिटेशन रूपी खाद-पानी देना है। आत्मा की उन्नति के लिए संसार के मनुष्य के पास समय नहीं है। स्वयं के लिए समय निकालें। कोई भी कार्य करने के लिए सबसे पहले अपनी आत्मा की स्थिति, मन की स्थिति का विशेष ध्यान रखना है। स्वास्तिक का व चारों युगों का आध्यात्मिक अर्थ बताते हुए ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि राजयोग का 7 दिन का कोर्स ज़रूर करना चाहिए, जिससे आत्मा का कांसेप्ट क्लियर होता है और मन की उलझनें समाप्त होती हैं। यह ज्ञान किसी व्यक्ति का नहीं है बल्कि स्वयं ईश्वर का है, जो आत्मा की उन्नति के लिए सर्वोपरि है। जन्म-मरण के चक्कर में आते-आते आत्मा के गुण विलुप्त हो चुके हैं। कार्यक्रम में ब्र.कु. शक्तिराज,माउंट आबू, ब्र.कु. डॉ. दामिनी,अहमदाबाद, राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी,इंदौर ज़ोन निदेशिका, राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, भिलाई, राजयोगिनी ब्र.कु. भावना दीदी, जबलपुर की भी उपस्थिति रही। साथ ही सांसद विवेक बंटी साहू, जिले के विधानसभा के विभिन्न विधायक, कुलपति कॉलेज, स्कूल के शिक्षाविद प्रिंसिपल आदि प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे।

जहाँ से भी प्राप्ति होती उनका करें शुक्रिया

आज घरों को दूषित हवा, विचारों की दूषित हवा हर घर के इन्सान को बीमार कर रही है। परिवार के तनावपूर्ण माहौल में शान्ति की अगरबत्ती, शुक्रिया का पानी, अच्छे विचारों की खुशबू फैलाने की ज़रूरत है। अच्छे विचारों से घर का वातावरण सतयुग बन जायेगा। सारा दिन हम जिनके साथ रहते हैं, जिनके साथ काम करते हैं उन सभी का शुक्रिया करना चाहिए। जहाँ से हमें धन की प्राप्ति होती है, उस स्थान का शुक्रिया करना चाहिए। परमात्मा का शुक्रिया, मन और शरीर का भी शुक्रिया, स्थूल वस्तुओं का शुक्रिया, जड़ चीज़ों का शुक्रिया और समय के साथ रिश्ता बनाते हैं उनका भी शुक्रिया करना चाहिए। दुआ दीजिए समय को, क्योंकि समय के साथ हमारा घनिष्ठ संबंध है।

मेडिटेशन से सेटल होता कार्मिक अकाउंट

शान्ति, भौतिक वस्तुओं में नहीं हमारे अंतर्मन में निहित है। मनुष्य के विचार जैसे होते हैं वैसे ही उसको कर्मफल की प्राप्ति होती है। आज संसार के जो रिश्ते हैं, चाहे दुःख के हैं वह सब हमारे कार्मिक अकाउंट हैं, जिन्हें हम मेडिटेशन से सेटल कर सकते हैं। आज अच्छा, धन अच्छा मन बनाने के लिए मेडिटेशन और अध्यात्म को जीवन में आत्मसात करने की ज़रूरत है।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd March, 2025
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org